सवाल
दो साल में 7 मौतें, जिम्मेदारों पर उठे सवाल

परियोजना पूरी, सड़कें अब भी अधूरी

नवभारत, पनागर। नगर में करोड़ों रुपये की लागत से संचालित नर्मदा नल-जल परियोजना का कार्य भले ही कागजों में पूरा हो चुका हो, लेकिन इसके लिए खोदी गई सड़कें आज भी लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई हैं। वार्डों में पाइपलाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई के बाद सड़क मरम्मत का कार्य समय पर नहीं होने से आम नागरिकों, राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, कई स्थानों पर सड़कें दो वर्ष से अधिक समय पहले खोदी गई थीं, लेकिन आज तक उन्हें पूरी तरह दुरुस्त नहीं किया गया। इसका खामियाजा नगरवासी लगातार भुगत रहे हैं। आरोप है कि इन जर्जर और उखड़ी सड़कों के कारण अब तक 7 लोगों की जान जा चुकी है,

जबकि दर्जनभर से अधिक लोग गंभीर दुर्घटनाओं में घायल होकर स्थायी रूप से अपंग हो चुके हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है।

रात में बढ़ जाता है हादसों का खतरा

नगरवासियों का कहना है कि सड़क पर बने गड्ढे और उभरे हिस्से रात के समय दुर्घटनाओं को न्योता देते हैं। आए दिन ऑटो पलटने, बाइक फिसलने और वाहन चालकों के गिरकर घायल होने की घटनाएं सामने आ रही हैं। लोगों का आरोप है कि स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासन एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर अपने कर्तव्यों से बच रहे हैं।

जगमोहन वार्ड बना दुर्घटनाओं का केंद्र

हालांकि समस्या लगभग सभी 15 वार्डों में बनी हुई है, लेकिन जगमोहन वार्ड की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक बताई जा रही है। यहां मुख्य मार्ग पर तीन स्थानों पर सड़क खोदी गई थी, जो दो बरसात बीतने के बाद भी पूरी तरह दुरुस्त नहीं हो सकी है। यह क्षेत्र नगर का व्यस्ततम मार्ग होने के कारण लगातार यातायात दबाव झेलता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बरसात से पहले सड़क मरम्मत नहीं हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है।

सीएमओ की कार्यप्रणाली पर भी सवाल

वार्डवासियों और पार्षदों ने नगर पालिका की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन की उदासीनता के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और नागरिक समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

पार्षद बोले— परियोजना पूरी तरह अव्यवस्थित

प्रमोद पटेल, पार्षद, जगमोहन वार्ड ने कहा कि नर्मदा जल परियोजना पूरी तरह अव्यवस्थित है। कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो लीकेज सुधारे जा रहे हैं और न ही लोगों को नियमित पानी मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 8 प्रतिशत घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है और कई लोगों द्वारा राशि जमा करने के बाद भी कनेक्शन नहीं दिए गए हैं।

नगर पालिका ने फिर पत्राचार की बात कही

शिवम जैन, इंजीनियर, नगर पालिका पनागर ने बताया कि नर्मदा जल परियोजना के अधिकारियों को कई बार पत्र भेजे जा चुके हैं। इसके बावजूद सुधार कार्य नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि मामला पुन: संज्ञान में आया है और संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया जाएगा। नगरवासियों की मांग है कि बरसात शुरू होने से पहले सड़कों की मरम्मत कराई जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लग सके और लोगों को राहत मिल सके

फल फूल रहा अवैध प्लाटिंग का काला कारोबार

भुखण्ड क्रय करने के बाद सारी परेशानी क्रेता की

नवभारत, सिहोरा। प्रशासन की लापरवाही के चलते भुमाफिया एंव दलाल ने केवल स्वंय के आशियाने का सपना देखने वालों को खुले आम लुट रहे वरन शाशन को भी चुना लगा रहे हैंहालात इतने बद्तर हो गये है की जीवन भर की कमाई लगाकर प्लांट खरीदने वाला आम आदमी भुखण्ड नहीं वल्कि परेशानी मोल ले रहा है। भुखण्ड क्रय करने वाले अनेक लोगों ने बताया की दलाल पहले तो खेतों में मुरुम डालकर की गई कच्ची प्लाटिंग को सर्व सुविधायुक्त विकसित करने का वादा कर भोले भाले लोगों को अनेक सब्जवाग दिखाकर प्लांट खरीदने मजबुर कर देते हैं फिर शुरु होता है परेशानियों का सफर पंजीयन शुल्क अदा करने के बाद निर्धारित सेवा शुल्क देने के बाद भी साइबर तहसील को धता बताते हुए भुमी क्रेता के नाम हस्तानांतरित नहीं होती यंहा से शुरु होती है दलालों द्वारा किये जाने वाले शोषण की कहानी,बताया जाता है की नामांतरण के लिए समय सीमा के साथ अलग अलग रेट निर्धारित किये गये है। जैसे तैसे नामांतरण हो भी गया तो डायवर्सन,नगरपालिका क्षेत्र में दर्ज कराने नगर पालिका की अनुमति जैसी अनेक प्रक्रिया से गुजरते गुजरते स्वंय के आशियाने का सपना चकनाचुर हो जाता है रही सही कसर होम-लोन के लिए बैंक के चक्कर लगाने में पुरी हो जाती है।

क्या है मामला-शासन द्वारा राजस्व सेवाओं को ऑनलाइन और सरल बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई साइबर तहसील व्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। नागरिकों का आरोप है कि साइबर तहसील का उद्देश्य लोगों को त्वरित और सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराना था, लेकिन जमीनी स्तर पर उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। शासन की घोषणा के अनुसार संपदा 0.2 से किसी भुमी का विक्रय होने पर नामांतरण के लिए क्रेता को राजस्व अमले के चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा।ई पंजियन होते ही विक्रेता के रकवे से विक्रय की गई भुमी कट कर क्रेता के नाम आ जायेगी जिसके लिए तहसीलदार एंव पटवारी की आई डी में लिंक आयेगी और समय सीमा में नामातंरण की प्रक्रिया पुर्ण हो जायेगी।लेकिन लोगों का कहना है कि ऑनलाइन आवेदन के बाद भी कई मामलों में समय पर कार्य नहीं हो रहे हैं। नामांतरण, रिकॉर्ड सुधार और अन्य राजस्व संबंधी कार्यों में देरी होने से नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैंनगर में कई भूखंड क्रेता नामांतरण प्रक्रिया पूरी न होने के कारण परेशानी का सामना कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, भूमि खरीदने के बाद भी कई लोगों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं हो पाए हैं। भूखंड क्रेताओं का कहना है कि उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के तहत सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए हैं, इसके बावजूद नामांतरण कार्य में देरी हो रही है।

नियमों को धता बता रहे अधिकारी-बताया जाता है की नामांतरण प्रक्रिया को सरल बनाने सरकार की कवायद को धता बताते हुए अधिकारी कर्मचारी आज भी पुराने ढर्रे पर काम कर रहे हैं। अवैध कालोनी,एक रकवे से एक से अधिक रजिस्ट्री होना जैसी अनेक आपत्ती लगाकर नामांतरण प्रक्रिया में को जटिल बनाया जाता है बताया जाता है की तहसील कार्यालय में नामांतरण केस साल्व करने एक नेटवर्क एक्टिव हैं।

ग्राम नीची में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ महिलाओं का मोर्चा

नवभारत,पाटन। पाटन तहसील के ग्राम नीची की महिलाओं ने गांव में लंबे समय से संचालित अवैध शराब बिक्री के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। महिलाओं का आरोप है कि गांव में खुलेआम शराब बेचे जाने से अनेक परिवार बर्बादी की कगार पर पहुंच गए हैं और पुरुषों के नशे की लत के कारण पारिवारिक जीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। नुनसर पुलिस चौकी पहुंचकर प्रभारी को सौंपे गए ज्ञापन में महिलाओं ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से किए जा रहे इस कारोबार के कारण कई पुरुष काम-धंधा छोड़कर दिनभर नशे में रहने लगे हैं। इससे परिवारों की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ रही है और बच्चों का भविष्य भी संकट में पड़ गया

है। महिलाओं के अनुसार जब वे खेतों और मजदूरी के कार्यों के लिए बाहर जाती हैं, तब पुरुष शराब के लिए घर का अनाज, सिलेंडर और अन्य घरेलू सामान तक बेच देते हैं। इसके चलते ग्रामीण महिलाओं ने प्रशासन और पुलिस से गांव में अवैध शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा क्षेत्र को नशामुक्त बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की है। इस पूरे मामले को लेकर सामूहिक रूप से नुनसर पुलिस चौकी पहुंचकर प्रभारी को अपनी समस्याओं से अवगत कराने और प्रभावी कार्रवाई की मांग करने वाली महिलाओं में डॉ. सीता साहू, रमा धुर्वे, नीलम गौंड, सपना रैकवार, आरती चढ़ार, पुष्पा रैकवार, अंकिता रैकवार, शालिनी गौंड, आरती गौंड, अंजनि, रजनी गौंड, रजनी साहू, प्रीति चढ़ार और शिवानी ठाकुर सहित अन्य महिलाएं मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

खदानों से निकल रहे ओवरलोड वाहनों पर रोक की मांग

सरपंच ने एसडीएम को सौपा पत्र

नवभारत,सिहोरा। सिहोरा तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत टिकरिया पुरानी के सरपंच संजय सिंह राजपूत ने सिहोरा एसडीएम कार्यालय में लिखित पत्र सौंपकर कर एन.एच.30 बरनू तिराहा से सिलुवा टिकरिया केवलारी खमरिया पौंडी अतरिया रोड पर खदानों में लगे बड़े वाहन जो की क्षमता से कई गुना अधिक खनिज पदार्थ लोडकर यमदूत की तरह पहाड़ से लदे हाईवा लगातार गुजर रहे हैं।

जिसके चलते ग्रामीण सड़के चकनाचूर हो गई है वहीं गांव की सीसी रोड भी बदहाल हो गई है

ग्राम पंचायत के सरपंच संजय सिंह ने पत्र के माध्यम से संबंधित अधिकारी को प्रेषित शिकायत में बताया है की खदानों में लगे इन भारी वाहनों में लगभग 60 से 70 टन माल लोड करते है जबकि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़के जिनकी क्षमता 7 टन से 10 टन होती है इस लापरवाही के चलते सड़के खराब हो गई है वही दिन भर वाहनों की धमा चौकड़ी से लगातार सड़क दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं साथ ही वाहनों के पीछे से उड़ने वाले धूल के गुब्बर से जहां आम जनमानस का जीना दुश्वार हो गया है वही उड़ती धूल से दमा श्वास चर्म रोग टीवी जैसी तमाम बीमारियां तेजी से बढ रही है इस संबंध में अनेकों बार स्थानीय पुलिस और तहसील के प्रशासनिक अधिकारियों से इन भारी वाहनों पर लगाम कसने की मांग की गई है। परंतु कार्यवाही शून्यवत रही अब पुन: ग्राम पंचायत टिकरिया पुरानी के द्वारा इस आशय की शिकायत कर उक्त समस्या से निजात पाने की गुहार लगाई गई है।

नगर परिषद की गरीबों पर सख्ती, रसूखदारों पर नरमी

नवभारत, डिंडोरी। नगर परिषद डिंडोरी क्षेत्र में अवैध निर्माणों को लेकर दोहरे मापदंडों के आरोप एक बार फिर चर्चा में हैं। शहर में जहां छोटे-छोटे अतिक्रमणों पर परिषद का अमला जेसीबी और ट्रैक्टर लेकर तत्काल कार्रवाई करता दिखाई देता है, वहीं रसूखदारों द्वारा किए जा रहे पक्के निर्माणों पर नोटिसों का खेल चलता रहता है और निर्माण कार्य बेरोकटोक जारी रहता है।

ताजा मामला पुरानी डिंडोरी के वार्ड क्रमांक-15 का है। मंडला स्टैंड से कुछ दूरी पर मुख्य मार्ग स्थित अनाज गोदाम के सामने एक व्यक्ति द्वारा बड़े पैमाने पर पक्का निर्माण कराया जा रहा है।

सात-सात फीट ऊंची दीवारें खड़ी कर दीं

स्थानीय लोगों के अनुसार संबंधित के पास पूर्व में

लगभग 1 से 15 वर्गफीट भूमि का पट्टा था, जिसकी अवधि करीब डेढ़ से दो वर्ष पूर्व समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद अब लगभग 25 वर्गफीट क्षेत्र में पक्का निर्माण किया जा रहा है और सात-सात फीट ऊंची दीवारें खड़ी कर दी गई हैं।

नोटिस के बाद मामला ठंडे बस्ते में

गौरतलब है कि लगभग एक वर्ष पूर्व भी इस मामले को लेकर नवभारत ने प्रशासनिक अमले का ध्यान आकर्षित किया था। खबर प्रकाशित होने के बाद परिषद के जिम्मेदार सक्रिय हुए और संबंधित को नोटिस जारी किया गया, लेकिन इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया और अब निर्माण कार्य फिर से तेज गति से जारी है।

बगैर एनओसी जारी है निर्माण कार्य

जानकारी के अनुसार नगर परिषद ने संबंधित व्यक्ति से भूमि संबंधी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने तथा निर्माण की अनुमति से जुड़े अभिलेख उपलब्ध कराने को कहा था। परिषद सूत्रों का कहना है कि अब तक न तो कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हैं और न ही निर्माण के लिए नगर परिषद से अनुमति ली गई है। इसके बावजूद निर्माण कार्य लगातार जारी है।

क्या रसूख के आगे बेबस हुए जिम्मेदार?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब नोटिस की समयसीमा समाप्त हो चुकी है, दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए हैं और अनुमति भी नहीं ली गई है, तो फिर परिषद कार्रवाई करने से आखिर क्यों बच रही है? शहर में चर्चा है कि संबंधित व्यक्ति का संबंध एक कांग्रेस पार्षद के परिवार से बताया जाता है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कार्रवाई में हो रही देरी को लेकर लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं जरूर हैं।

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे परसेल माल के ग्रामीण

करंजिया, नवभारत 17 जून। जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम देवरी रैयत, ग्राम पंचायत परसेल माल के ग्रामीण इन दिनों भीषण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि शासन की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना पिछले एक से दो माह से पूरी तरह ठप पड़ी हुई है, जिसके कारण गांव के सैकड़ों लोगों को पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समस्या के निराकरण के लिए कई बार शिकायतें और आवेदन देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

दूरदराज के जल स्रोतों पर निर्भर

ग्रामीणों के अनुसार गांव में संचालित नल-जल योजना पहले सुचारू रूप से चल रही थी, लेकिन बोरवेल धंस जाने और मशीन

खराब हो जाने के कारण पानी की आपूर्ति बंद हो गई। इसके बाद से ग्रामीणों को दूर-दराज के जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है।

सिलसिलेवार शिकायतों के बाद नहीं हुई सुनवाई

ग्रामीणों ने बताया कि समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया। यहां तक कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा समस्या के समाधान की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। इससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

सड़क समस्या को लेकर ग्रामीणों ने लगाई गुहार

जनसुनवाई में 14 आवेदनों पर हुई सुनवाई

करंजिया, नवभारत । जनपद पंचायत करंजिया में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई का आयोजन प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जनपद पंचायत बजाग के एसडीएम अक्षय डिगरसे की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जहां ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। जनसुनवाई के दौरान सबसे प्रमुख मुद्दा ग्राम झनकी (उड़ाझोरी) के ग्रामीणों द्वारा उठाया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण जनपद पंचायत पहुंचे और गांव की जर्जर एवं अव्यवस्थित सड़क की समस्या से अधिकारियों को अवगत कराया।

आवागमन में हो रही परेशानी

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क खराब होने के कारण आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। इस संबंध में जनपद पंचायत अध्यक्ष राजू सिंह उइके के समक्ष भी ग्रामीणों ने अपनी मांग रखी और सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, जिससे आम नागरिकों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

3.11 लाख से अधिक की नगद राशि और आभूषण निकले

ऐतिहासिक श्री विष्णु वराह मंदिर की दान पेटियां खुलीं

नवभारत, मझौली । स्थानीय ऐतिहासिक एवं आस्था के केंद्र श्री विष्णु वराह मंदिर में प्रशासनिक अधिकारियों और मंदिर स्टाफ की उपस्थिति में दान पेटियां खोली गईं। इस दौरान कुल 3,11,122 रुपये (तीन लाख ग्यारह हजार एक सौ बाईस रुपये) की नगद राशि के साथ-साथ सोने-चांदी के आभूषण और अन्य सामग्री दान स्वरूप प्राप्त हुई है। प्रशासनिक नियमों के तहत मौके पर ही पंचनामा तैयार कर नगद राशि को मंदिर के अधिकृत बैंक खाते में जमा करा दिया गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों और पुजारियों की मौजूदगी में हुई गिनती

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंदिर परिसर में पारदर्शिता के साथ दान पेटियों को खोलने की प्रक्रिया पूरी की गई। इस मौके पर मुख्य रूप से राजस्व निरीक्षक मझौली, हल्का पटवारी, कोटवार, मंदिर के मुख्य पुजारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी की मौजूदगी में दान पेटियों के ताले खोले गए और प्राप्त राशि व सामग्री की विस्तृत गिनती की गई।

बैंक खाते और तहसील कार्यालय में सुरक्षित की गई सामग्री

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि दान से प्राप्त कुल नगद राशि (3,11,122 रुपये) को तत्काल मंदिर के आधिकारिक बैंक खाता क्रमांक 2274688261 में जमा करा दिया गया है। वहीं, आभूषण एवं अन्य बहुमूल्य सामग्रियों को सुरक्षित रूप से तहसील कार्यालय स्थित मंदिर की आलमारी में जमा करवा दिया गया है। मौके पर ही राजस्व अधिकारियों, कोटवार शरद नारायण और अन्य उपस्थित गवाहों की मौजूदगी में पंचनामा तैयार कर हस्ताक्षर कराए गए।

दान पेटी से प्राप्त नगद राशि का विवरण

500 रुपये के नोट, 57 (कुल 28,500) 200 रुपये के नोट, 63 (कुल 12,600) 100 रुपये के नोट, 655 (कुल 65,500) 50 रुपये के नोट, 1,300 (कुल 65,000)20 रुपये के नोट,2,655 (कुल 53,100)10 रुपये के नोट,3,662 (कुल ?36,620)5 रुपये के नोट, 37 (कुल 185) सिक्के (20, 10, 5, 2 और 1 रुपये के)कुल 49,617, कुल नगद राशि 3,11,122/-आभूषण और अन्य सामग्री भी हुई प्राप्त। नगद राशि के अलावा, श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धापूर्वक चढ़ाए गए आभूषण भी दान पेटी से निकले। मंदिर पुजारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, चढ़ोत्तरी में एक सोने की अंगूठी, तीन जोड़ी चांदी के बड़े-छोटे नेत्र (आंखें) और एक सिंगल बिछिया सहित अन्य सामग्री प्राप्त हुई है।